the pioneer
LUCKNOW | TUESDAY | JULY 18, 2017
city 04

First transgender gets admission to IGNOU

PIONEER NEWS SERVICE ■ LUCKNOW

In order to universalise and democratise higher education, Indira Gandhi National Open University (IGNOU) is offering free education to the transgender community from this session. The aim is to bring them into the mainstream of society. Taking advantage of this opportunity, Sudha Kinnar took admission to IGNOU's Bachelor's Preparatory Programme (BPP) in Lucknow on Monday. She took admission during an awareness programme organised by IGNOU at Maharaja Bijli Pasi Govt PG College in Lucknow. Appreciating the efforts of IGNOU Sudha Kinnar said it would help bring transgenders into the mainstream and would also empower them.

Regional director Manorama Singh said IGNOU had been offering free education to jail inmates and similar opportunity would be provided to transgenders from this session. She said they would organise awareness programmes in various districts under their jurisdiction and make the transgenders aware about the benefits of higher education.

Assistant regional director Kirti Vikram Singh said IGNOU had become the first university in India to offer free education to transgenders. Those interested in availing this opportunity could take admission by producing certificates issued by the Centre, state government, medical officer or other competent authorities. "Those with no formal education may take admission in BPP. After completing this programme, they will be eligible for graduation programmes of IGNOU," Singh added. The last for taking admission to IGNOU for this session is July 31.

दैनिक जागरण | लखनऊ, 18 जुलाई 2017 | www.jagran.com

बदलाव बीपीपी प्रोग्राम में लिया दाखिला, कई और प्रवेश लेकर समाज की मुख्य धारा से जुड़ने को इच्छुक

इग्नू को मिली पहली ट्रांसजेंडर स्टूडेंट सुधा

जागरण संवाददाता, लखनऊ : इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नू) में सोमवार को स्नातक उपाधि प्रारंभिक कार्यक्रम (बीपीपी) में किन्नर सुधा ने दाखिला लिया। यह छह महीने का ब्रिज कोर्स है जो स्नातक के पहले पढ़ाया जाता है और इसके बाद सुधा सीधे स्नातक की पढ़ाई करेंगी। इग्नू के क्षेत्रीय केंद्र की निदेशक डॉ. मनोरमा सिंह ने दावा किया है कि इग्नू में दाखिला लेने वाली सुधा पहली ट्रांसजेंडर हैं।

उन्होंने बताया कि कई और ट्रांसजेंडर अभी इग्नू में दाखिला लेने की प्रक्रिया में हैं और वह शिक्षा के माध्यम से समाज की मुख्य धारा से जुड़ना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि अगर अच्छी संख्या में ट्रांसजेंडर दाखिला लेते हैं तो उनके लिए अलग कक्षाओं की व्यवस्था भी की जाएगी। ट्रांसजेंडर सुधा ने बताया कि 18 वर्ष पहले उन्होंने इंटरमीडिएट तक की पढ़ाई बिहार में थी और उसके बाद किन्हीं कारणों से पढ़ाई छूट गई थी। फिर वह लखनऊ रोजी-रोटी की तलाश में आ गईं और पढ़ाई से नाता ही टूट गया। सुधा कहती हैं कि शिक्षा ही वह रोशनी है जो जिंदगी में असल उजियारा लाती है। सुधा के साथ अन्य ट्रांसजेंडर भी दाखिला लेने इग्नू पहुंचे।

सुधा कहती हैं कि जिस तरह इग्नू ने पढ़ाई की व्यवस्था की है उसी तरह अगर सरकार रोजगार की व्यवस्था कर दे तो हम लोगो का जीवन सुधर जाएगा। इग्नू के सहायक क्षेत्रीय निदेशक कीर्ति विक्रम सिंह ने बताया कि सोमवार को सुधा के दाखिला लेने के बाद अब आगे और ट्रांसजेंडर जल्द ही दाखिला लेंगे और उनको यहां बेहतर ढंग से शिक्षा देने की पूरी व्यवस्था होगी।

इग्नू के निशुल्क प्रवेश जागरूकता शिविर में नामांकन पत्र लेती सुधा

पायनियर
लखनऊ, मंगलवार, 18 जुलाई, 2017

इग्नू को मिला पहला ट्रांसजेंडर छात्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

ट्रांसजेंडर समुदाय को शिक्षित करने के नजरिए से इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की तरफ से शुरू की गयी पहल के तहत सोमवार को पहला छात्र मिल गया है। सुधा नाम के छात्र ने क्षेत्रीय अध्ययन केन्द्र लखनऊ में स्नातक उपाधि प्रारम्भिक कार्यक्रम (बीपीपी) में दाखिला लिया है। छात्र का नामांकन महाराजा बिजली पासी राजकीय महाविद्यालय में आयोजित जागरूकता शिविर में किया गया।

महाराजा बिजली पासी राजकीय महाविद्यालय में आयोजित जागरुकता शिविर में ट्रांसजेंडर समुदाय के काफी सदस्य शामिल हुए। शिविर के माध्यम से एडमिशन लेने के बाद सुधा ने बताया कि इग्नू द्वारा ट्रांसजेंडर समाज को शिक्षा के माध्यम से मुख्य धारा में जोड़ने का जो प्रयास किया गया है वह सराहनीय है। इस पहल द्वारा ट्रांसजेंडर्स के सामाजिक जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आएगा जो उन्हें सशक्त बनाएगा। इग्नू की क्षेत्रीय निदेशिका डॉ. मनोरमा सिंह ने बताया कि इग्नू अभी तक बन्दियों को नि:शुल्क शिक्षा प्रदान कर रहा था, अब यही सुविधा जुलाई 2017 सत्र से ट्रांसजेन्डर समुदाय के लोगों को भी दी जाएगी। सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. कीर्ति विक्रम सिंह ने बताया कि इग्नू देश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय बन गया है जिसने ट्रांसजेंडर समुदाय को मुफ्त शिक्षा प्रदान करने की पहल की है। पढ़ाई के इच्छुक किन्नरों को दाखिले के लिए केन्द्र सरकार या राज्य सरकार या मेडिकल अधिकारी, सक्षम अधिकारी की तरफ से जारी सर्टिफिकेट और आधार कार्ड लगाना अनिवार्य होगा। वे विश्वविद्यालय द्वारा संचालित किसी भी कार्यक्रम में नि:शुल्क नामांकन करा सकते हैं।

जनसंदेश टाइम्स लखनऊ, मंगलवार, 18 जुलाई, 2017

इग्नू में दाखिला लेती सुधा किन्नर

इग्नू को मिला ट्रांसजेण्डर समुदाय का पहला विद्यार्थी

लखनऊ। इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय ने शिक्षा के सर्वभौमिकरण एवं लोकतांत्रिकरण को बढ़ावा देने हेतु जुलाई 2017 सत्र से ट्रांसजेन्डर समुदाय के व्यक्तियों को निःशुल्क शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया है। जिसका लाभ लेते हुए किन्नर समुदाय की सुधा किन्नर ने इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र में स्नातक उपाधि प्रारम्भिक कार्यक्रम (बीपीपी) में अपना नामांकन कराया। यह नामांकन उन्होंने इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र द्वारा महाराजा बिजली पासी राजकीय महाविद्यालय में आयोजित जागरुकता शिविर में कराया। इस शिविर में किन्नर समुदाय के लोगों ने भाग लिया।

सुधा किन्नर ने बताया कि इग्नू द्वारा किन्नर समाज को शिक्षा के माध्यम से मुख्य धारा में जोड़ने का जो प्रयास किया गया है वह सराहनीय है। इस पहल द्वारा किन्नरों के सामाजिक जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आयेगा जो उन्हें सशक्त बनायेगा।

डॉ मनोरमा सिंह, क्षेत्रीय निदेशक, इग्नू ने बताया कि इग्नू अभी तक बन्दियों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान कर रहा था, अब यही सुविधा जुलाई 2017 सत्र से ट्रांसजेन्डर समुदाय के विद्यार्थियों को भी प्रदान की जायेगी। क्षेत्रीय केन्द्र का यह प्रयास रहेगा कि जन-जागरण द्वारा इस समुदाय के

● सुधा किन्नर ने बीपीपी में लिया दाखिला

व्यक्तियों को इग्नू द्वारा दी जा रही मुफ्त शिक्षा के विषय में अवगत कराया जायेगा, जैसे कि वे विश्वविद्यालय द्वारा दी जा रही सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ उठा सकें। विश्वविद्यालय का यह प्रयास रहेगा कि किन्नर समुदाय के लोगों को उनके द्वार पर शिक्षा उपलब्ध करायी जाए।

डॉ कीर्ति विक्रम सिंह, सहायक क्षेत्रीय निदेशक ने बताया कि इग्नू देश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय बन गया है जिसने किन्नर समुदाय को मुफ्त शिक्षा प्रदान करने की पहल की है। पढ़ाई के इच्छुक किन्नरों को दाखिले के लिए केन्द्र सरकार या राज्य सरकार या मेडिकल अधिकारी, सक्षम अधिकारी की तरफ से जारी सर्टिफिकेट और आधार कार्ड लगाना अनिवार्य होगा। वे विश्वविद्यालय द्वारा संचालित किसी भी कार्यक्रम में निःशुल्क नामांकन करा सकते हैं। ऐसे अभ्यर्थी जिन्होंने दसवीं या बारहवीं तक की शिक्षा नहीं प्राप्त की है और उच्च शिक्षा से जुड़ना चाहते हैं, वे इग्नू से बीपीपी में प्रवेश लेकर स्नातक तक की शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। डॉ अनामिका सिन्हा सहायक क्षेत्रीय निदेशक ने बताया कि इग्नू में नामांकन कराने कि अन्तिम तिथि 31 जुलाई 2017 है। इसके विषय में अधिक जानकारी इग्नू की वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है। इस अवसर पर डॉ मो तारिक, प्राचार्य, डॉ बलराम सिंह, समन्वयक, इग्नू एवं अन्य शिक्षकगण मौजूद थे। ***कासं.***

इग्नू में पहले ट्रांसजेंडर स्टूडेंट का दाखिला

लखनऊ। इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी ने इस सत्र से ट्रांसजेंडर के लिए मुफ्त में शिक्षा शुरू की है और ऐसा करने वाला इग्नू देश का पहला विश्वविद्यालय है। विवि ने मौका दिया तो ट्रांसजेंडर्स में भी उम्मीद जगी और इग्नू को सुधा के रूप में अपना पहला ट्रांसजेंडर स्टूडेंट मिल गया।

इग्नू लखनऊ के असिस्टेंट रीजनल डायरेक्टर डॉ. कीर्ति विक्रम सिंह ने बताया कि सोमवार को यूनिवर्सिटी में पहले ट्रांसजेंडर सुधा ने एडमिशन लिया। कुछ और ट्रांसजेंडर्स ने भी आवेदन किया है, जिनकी प्रवेश प्रक्रिया जल्द पूरी कर ली जाएगी। आवेदन 31 जुलाई तक लिए जा रहे हैं। रीजनल डायरेक्टर डॉ. मनोरमा सिंह ने बताया कि इस प्रोग्राम के तहत अन्य जिलों में भी अवेयरनेस प्रोग्राम चल रहे हैं और अगर ट्रांसजेंडर्स के आवेदनों की संख्या अच्छी रही तो रीजनल सेंटर में ही अलग से क्लास भी शुरू होंगे।

18 साल पहले छोड़ी थी पढ़ाई

इग्नू के लखनऊ रीजनल सेंटर में प्रवेश लेने के बाद सुधा ने बताया कि उन्होंने 18 साल पहले बिहार बोर्ड से इंटरमीडिएट किया था लेकिन सामाजिक परिस्थितियों के चलते आगे की पढ़ाई छोड़नी पड़ी। इसके बाद उन्होंने लखनऊ में रोजी-रोटी की तलाश शुरू कर दी। सुधा ने इग्नू में बैचलर्स प्रिपरेटरी प्रोग्राम (बीपीपी) में एडमिशन लिया है। यह छह महीने का ब्रिज कोर्स है जिसे करने के बाद सुधा को इग्नू में ही स्नातक में दाखिला मिल जाएगा।

इग्नू में मिला एडमिशन.

इग्नू को मिला पहला ट्रांसजेंडर स्टूडेंट

» 18 साल पहले दिया था इंटरमीडिएट का एग्जाम

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (17 July): इन्दिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी में शिक्षा के सर्वभौमिकरण एवं लोकतांत्रिकरण को बढ़ावा देने के लिए इस साल शुरू हुए नए सेशन से ट्रांसजेंडर समुदाय के व्यक्तियों को फ्री शिक्षा देने की शुरुआत की गई है. इसी के तहत यूनिवर्सिटी में इस समुदाय के पहले स्टूडेंट सुधा किन्नर का एडमिशन क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ में यूजी के प्रारम्भिक कार्यक्रम (बीपीपी) में किया गया. यह नामांकन उन्होंने इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ द्वारा महाराजा बिजली पासी राजकीय महाविद्यालय में आयोजित जागरुकता शिविर में कराया.

इग्नू की सार्थक पहल

सुधा किन्नर ने बताया कि इग्नू द्वारा किन्नर समाज को शिक्षा के माध्यम से मुख्य धारा में जोड़ने का जो प्रयास किया गया है वह सराहनीय है. इस पहल द्वारा किन्नरों के सामाजिक जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आयेगा जो उन्हें सशक्त बनायेगा. क्षेत्रीय निदेशक डॉ. मनोरमा सिंह ने बताया कि इग्नू अभी तक बंदियों को फ्री शिक्षा प्रदान कर रहा था, अब यही सुविधा जुलाई 2017 सत्र से ट्रांसजेंडर समुदाय के स्टूडेंट्स को भी प्रदान की जायेगी. डॉ. कीर्ति विक्रम सिंह ने बताया कि इग्नू देश का पहला ऐसा यूनिवर्सिटी बन गया है जिसने किन्नर समुदाय को मुफ्त शिक्षा प्रदान करने की पहल की है.

पायनियर
लखनऊ, मंगलवार, 18 जुलाई, 2017

इग्नू को मिला पहला ट्रांसजेंडर छात्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

ट्रांसजेंडर समुदाय को शिक्षित करने के नजरिए से इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की तरफ से शुरू की गयी पहल के तहत सोमवार को पहला छात्र मिल गया है। सुधा नाम के छात्र ने क्षेत्रीय अध्ययन केन्द्र लखनऊ में स्नातक उपाधि प्रारम्भिक कार्यक्रम (बीपीपी) में दाखिला लिया है। छात्र का नामांकन महाराजा बिजली पासी राजकीय महाविद्यालय में आयोजित जागरूकता शिविर में किया गया।

महाराजा बिजली पासी राजकीय महाविद्यालय में आयोजित जागरुकता शिविर में ट्रांसजेंडर समुदाय के काफी सदस्य शामिल हुए। शिविर के माध्यम से एडमिशन लेने के बाद सुधा ने बताया कि इग्नू द्वारा ट्रांसजेंडर समाज को शिक्षा के माध्यम से मुख्य धारा में जोड़ने का जो प्रयास किया गया है वह सराहनीय है। इस पहल द्वारा ट्रांसजेंडर्स के सामाजिक जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आएगा जो उन्हें सशक्त बनाएगा। इग्नू की क्षेत्रीय निदेशिका डॉ. मनोरमा सिंह ने बताया कि इग्नू अभी तक बन्दियों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान कर रहा था, अब यही सुविधा जुलाई 2017 सत्र से ट्रांसजेन्डर समुदाय के लोगों को भी दी जाएगी। सहायकं क्षेत्रीय निदेशक डॉ. कीर्ति विक्रम सिंह ने बताया कि इग्नू देश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय बन गया है जिसने ट्रांसजेंडर समुदाय को मुफ्त शिक्षा प्रदान करने की पहल की है। पढ़ाई के इच्छुक किन्नरों को दाखिले के लिए केन्द्र सरकार या राज्य सरकार या मेडिकल अधिकारी, सक्षम अधिकारी की तरफ से जारी सर्टिफिकेट और आधार कार्ड लगाना अनिवार्य होगा। वे विश्वविद्यालय द्वारा संचालित किसी भी कार्यक्रम में निःशुल्क नामांकन करा सकते हैं।

HINDUSTAN TIMES, LUCKNOW
TUESDAY, JULY 18, 2017

IGNOU gets its first transgender student

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW: The Indira Gandhi National Open University (IGNOU) got its first student of transgender community on Monday.

Sudha Kinnar got enrolled at an the IGNOU centre in the state capital for the course of Bachelor's Preparatory Programme (BPP).

Sudha got herself enrolled for the programme during an awareness camp organised at Maharaja Bijlipasi Rajkiya College.

"It's a good attempt on IGNOU's part as they are helping the people of transgender community to get linked with the mainstream of education. IGNOU's attempt will bring a big difference in our lives," said Sudha Kinnar, as she completed the paper work and other formalities.

Manorama Singh, regional director, IGNOU said, "So far the Indira Gandhi National Open University was imparting free education to jail inmates and now the same facility would be made available for the transgender community from July 2017 onwards."

Singh said interested persons can get themselves enrolled after producing related documents, issued to them by a competent authority/central or state government.

"They can get themselves enrolled for any course. And the ones who didn't qualify Class 10 or 12, can opt for BPP to get themselves linked with the higher education stream," she added.

They can also get themselves enrolled by logging on to www.ignou.ac.in, the last date for which is July 31.

BENNETT, COLEMAN & CO. LTD. | ESTABLISHED 1838 | TIMESOFINDIA.COM
LUCKNOW | TUESDAY, JULY 18, 2017 | PAGES 18 | CAPITAL | PRICE ₹4.00

THE TIMES OF INDIA

NELSON MANDELA'S BIRTHDAY

INCLUSIVE OF LUCKNOW TIMES (CITY ONLY) | EPAPER.TIMESOFINDIA.COM

IGNOU gets its first transgender student

Isha.Jain@timesgroup.com

Sudha getting admission letter

Lucknow: Her 16-year stint with singing and dancing at homes where babies are born or weddings solemnised came to an end on Monday. Sudha Tiwari, 31, became the first transgender in the country to enroll for higher studies at the Indira Gandhi National Open University (IGNOU). Sudha will now pursue a six-month Bachelor of Preparatory Programme (BPP) that will maker her eligible for BA (Bachelor of Arts).

"It's encouraging for me and my community and gives us a sense of recognition, for who doesn't want a respectable life and a well-paid job," Sudha told TOI, adding, "But it also makes me afraid that I may face discrimination, verbal abuse and neglect by fellow classmates." Sudha completed school eduation 16 years ago from Saraswati Shishu Mandir, Maharajganj in Bihar and moved to Lucknow soon after. **P9**

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
तरुणमित्र
श्रम ही आधार, सिर्फ खबरों से सरोकार

इग्नू को मिला अपना पहला ट्रान्सजेण्डर छात्र

लखनऊ, 17 जुलाई (तरुणमित्र)। इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने जुलाई 2017 सत्र से ट्रांसजेन्डर समुदाय के लोगों को निःशुल्क शिक्षा देने का निर्णय लिया है। जिसका लाभ लेते हुए किन्नर समुदाय की सुधा किन्नर ने इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ में स्नातक उपाधि प्रारम्भिक कार्यक्रम (बीपीपी) में अपना नामांकन कराया। यह नामांकन उन्होंने इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ द्वारा महाराजा बिजलीपासी राजकीय महाविद्यालय में आयोजित जागरुकता शिविर में कराया। इस शिविर में किन्नर समुदाय के बहुत सारे लोगों ने भाग लिया।

सुधा किन्नर ने बताया कि इग्नू द्वारा किन्नर समाज को शिक्षा के माध्यम से मुख्य धारा में जोड़ने का जो प्रयास किया गया है वह सराहनीय है। इस पहल द्वारा किन्नरों के सामाजिक जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आयेगा जो उन्हें सशक्त बनायेगा।

डॉ मनोरमा सिंह, क्षेत्रीय निदेशक, इग्नू ने बताया कि इग्नू अभी तक बन्दियों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान कर रहा था, अब यही सुविधा जुलाई 2017 संत्र से ट्रांसजेन्डर समुदाय के विद्यार्थियों को भी प्रदान की जायेगी। क्षेत्रीय केन्द्र का यह प्रयास रहेगा कि जन-जागरण द्वारा इस समुदाय के व्यक्तियों को इग्नू द्वारा दी जा रही मुफ्त शिक्षा के विषय में अवगत करायां जायेगा, ताकि वे विश्वविद्यालय द्वारा दी जा रही इन सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ उठा सकें। विश्वविद्यालय का यह प्रयास रहेगा

कि किन्नर समुदाय के लोगों को उनके द्वार पर शिक्षा उपलब्ध करायी जाए। डॉ अनामिका सिन्हा सहायक क्षेत्रीय निदेशक ने बताया कि इग्नू में नामांकन कराने कि अन्तिम तिथि 31 जुलाई है। इसके विषय में अधिक जानकारी इग्नू की वेबसाइट- www.ignou.ac.in से प्राप्त की जा सकती है।

स्पष्ट आवाज़ राजधानी
लखनऊ, मंगलवार, 18 जुलाई 2017

इग्नू को मिला अपना पहला ट्रान्सजेण्डर छात्र

लखनऊ। इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने जुलाई 2017 सत्र से ट्रांसजेन्डर समुदाय के लोगों को निःशुल्क शिक्षा देने का निर्णय लिया है। जिसका लाभ लेते हुए किन्नर समुदाय की सुधा किन्नर ने इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ में स्नातक उपाधि प्रारम्भिक कार्यक्रम (बीपीपी) में अपना नामांकन कराया। यह नामांकन उन्होंने इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ द्वारा महाराजा बिजलीपासी राजकीय महाविद्यालय में आयोजित जागरूकता शिविर में कराया। इस शिविर में किन्नर समुदाय के बहुत सारे लोगों ने भाग लिया।

सुधा किन्नर ने बताया कि इग्नू द्वारा किन्नर समाज को शिक्षा के माध्यम से मुख्य धारा में जोड़ने का जो प्रयास किया गया है वह सराहनीय है। इस पहल द्वारा किन्नरों के सामाजिक जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आयेगा जो उन्हें सशक्त बनायेगा।

डॉ मनोरमा सिंह, क्षेत्रीय निदेशक, इग्नू ने बताया कि इग्नू अभी तक बन्दियों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान कर रहा था, अब यही सुविधा जुलाई 2017 सत्र से ट्रांसजेन्डर समुदाय के विद्यार्थियों को भी प्रदान की जायेगी। क्षेत्रीय केन्द्र का यह प्रयास रहेगा कि जन-जागरण द्वारा इस समुदाय के व्यक्तियों को इग्नू द्वारा दी जा रही मुफ्त शिक्षा के विषय में अवगत कराया जायेगा, ताकि वे विश्वविद्यालय द्वारा दी जा रही इन सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ उठा सकें। विश्वविद्यालय का यह प्रयास रहेगा कि किन्नर समुदाय के लोगों को उनके द्वार पर शिक्षा उपलब्ध करायी जाए।

डॉ अनामिका सिन्हा सहायक क्षेत्रीय निदेशक ने बताया कि इग्नू में नामांकन कराने कि अन्तिम तिथि 31 जुलाई है। इसके विषय में अधिक जानकारी इग्नू की वेबसाइट- www.ignou.ac.in से प्राप्त की जा सकती है।

नवभारत टाइम्स। नई दिल्ली/लखनऊ। मंगलवार, 18 जुलाई 2017 www.lucknow.nbt.in

इग्नू में अब ट्रांसजेंडर भी पढ़ेंगे, शुरू किया जाएगा अलग सेंटर

ट्रांसजेंडर स्टूडेंट सुधा ने एडमिशन लिया

■ **एनबीटी, लखनऊः** इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नू) में अब ट्रांसजेंडर स्टूडेंट भी पढ़ेंगे। यूनिवर्सिटी के लखनऊ स्टडी सेंटर पर ट्रांसजेंडर के लिए मुफ्त शिक्षा की शुरुआत की गई है। इसके तहत सेंटर पर पहले ट्रांसजेंडर स्टूडेंट सुधा ने एडमिशन भी लिया है।

इग्नू के दावे के मुताबिक, वह देश की पहली यूनिवर्सिटी है, जो यह व्यवस्था शुरू कर रही है। असिस्टेंट रीजनल डायरेक्टर डॉ.कीर्ति विक्रम सिंह ने बताया कि सोमवार को सुधा ने एडमिशन लिया है। सुधा के अलावा कई अन्य ट्रांसजेंडर स्टूडेंट के आवेदन भी आए हैं, जिनके एडमिशन जल्द ही होंगे।

18 साल बाद फिर पढ़ाई करेंगी सुधाः इग्नू के लखनऊ रीजनल सेंटर में बैचलर्स प्रिपरेटरी प्रोग्राम बीपीपी में एडमिशन लेने के बाद सुधा ने बताया कि वह 18 साल बाद दोबारा पढ़ाई करने जा रही है। इंटरमीडिएट की परीक्षा बिहार से 18 साल पहले पास की थी। इसके बाद परिस्थितियां ऐसी हो गईं कि पढ़ाई जारी नहीं रह सकी और बिहार से लखनऊ में शिफ्ट हो गई। सुधा ने बताया कि यह छह महीने का कोर्स है इसके बाद वह ग्रैजुएशन भी करने की सोच रही है।

'लोग तंज कसते थे तो पढ़ाई छोड़ दी': सुधा ने बताया कि वह भी सामान्य लोगों की तरह पढ़ाई कर समाज में एक बेहतर जीवन जीना चाहती थी, लेकिन इंटर के बाद जहां भी वह पढ़ने गई लोगों ने तंज कसना शुरू कर दिया। आलम ये हो गया कि पढ़ना तो दूर जीना भी दुश्वार हो गया, इसलिए घर छोड़कर लखनऊ आ गए और वही पेशा चुन लिया, जो उनके समाज में सब चुनते है। इग्नू की इस पहल से सभी ट्रांसजेंडर्स को एक उम्मीद मिली है, वह पढ़ाई कर अपना जीवन बदल सकते है। पढ़ाई के साथ सरकार अगर उनके रोजगार की व्यवस्था कर दे तो उनके जीवन में बदलाव आ सकता है। इग्नू की रीजनल डायरेक्टर डॉ. मनोरमा सिंह ने बताया कि इस प्रोग्राम के तहत यूपी के अन्य जिलों में भी वह अवेयरनेस प्रोग्राम चला रहे हैं।

सुधा किन्नर बनीं इग्नू की पहली ट्रान्सजेण्डर समुदाय की स्टूडेंट

संवाददाता, लखनऊ।

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्व विद्यालय ने शिक्षा के सार्वभौमिकरण व लोकतांत्रिकरण को बढ़ावा देने के लिए जुलाई सत्र से ट्रांसजेन्डर समुदाय के व्यक्तियों को निःशुल्क शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया है, जिसका लाभ लेते हुए किन्नर समुदाय की सुधा किन्नर ने इग्नू क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ में स्नातक उपाधि प्रारम्भिक कार्यक्रम (बीपीपी) में अपना नामांकन कराया। यह नामांकन उन्होंने इग्नू क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ द्वारा महाराजा बिजली पासी राजकीय महाविद्यालय में आयोजित जागरूकता शिविर में कराया। इस शिविर में किन्नर समुदाय के बहुत सारे लोगों ने भाग लिया। सुधा किन्नर ने बताया कि इग्नू द्वारा किन्नर समाज को शिक्षा के माध्यम से मुख्य धारा में जोड़ने का जो प्रयास किया गया है वह सराहनीय है। इस पहल द्वारा किन्नरों के सामाजिक जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आएगा जो उन्हें सशक्त बनाएगा। डॉ. मनोरमा सिंह, क्षेत्रीय निदेशक इग्नू ने बताया कि इग्नू अभी तक बन्दियों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान कर रहा था, अब यही सुविधा जुलाई 2017 सत्र से ट्रांसजेन्डर समुदाय के विद्यार्थियों को भी प्रदान की जाएगी। क्षेत्रीय केंद्र का यह प्रयास रहेगा कि जन-जागरण द्वारा इस समुदाय के व्यक्तियों को इग्नू द्वारा दी जा रही मुफ्त शिक्षा के विषय में अवगत कराया जाएगा, जैसे कि वे विश्व विद्यालय द्वारा दी जा रही इन सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ उठा सकें। विश्व विद्यालय का यह प्रयास रहेगा कि किन्नर समुदाय के लोगों को उनके द्वार पर शिक्षा उपलब्ध करायी जाए। सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. कीर्ति विक्रम सिंह ने बताया कि इग्नू देश का पहला ऐसा विश्व विद्यालय बन गया है जिसने किन्नर समुदाय को मुफ्त शिक्षा प्रदान करने की पहल की है। पढ़ाई के इच्छुक किन्नरों को दाखिले के लिए केंद्र सरकार या राज्य सरकार या मेडिकल अधिकारी, सक्षम अधिकारी की तरफ से जारी सर्टिफिकेट और आधार कार्ड लगाना अनिवार्य होगा। वे विश्व विद्यालय द्वारा संचालित किसी भी कार्यक्रम में निःशुल्क नामांकन करा सकते हैं। ऐसे अभ्यर्थी जिन्होंने दसवीं या बारहवीं तक की शिक्षा नहीं प्राप्त की है और उच्च शिक्षा से जुड़ना चाहते हैं, वे इग्नू से बीपीपी में प्रवेश लेकर स्नातक तक की शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अनामिका सिन्हा ने बताया कि इग्नू में नामांकन कराने की अन्तिम तिथि 31 जुलाई है। इसके विषय में अधिक जानकारी इग्नू की वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है। इस अवसर पर डॉ. मोहम्मद तारिक, प्राचार्य, डॉ. बलराम सिंह, समन्वयक इग्नू एवं अन्य शिक्षक मौजूद थे।

इग्नू में हुआ पहले ट्रांसजेंडर स्टूडेंट का दाखिला

लखनऊ। इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी ने इस सत्र से ट्रांसजेंडर के लिए मुफ्त में शिक्षा शुरू की है और ऐसा करने वाला इग्नू देश का पहला विश्वविद्यालय है। विवि ने मौका दिया तो ट्रांसजेंडर्स में भी उम्मीद जगी और इग्नू को सुधा के रूप में अपना पहला ट्रांसजेंडर स्टूडेंट मिल गया।

इग्नू लखनऊ के असिस्टेंट रीजनल डायरेक्टर डॉ. कीर्ति विक्रम सिंह ने बताया कि सोमवार को यूनिवर्सिटी मे पहले ट्रांसजेंडर सुधा ने एडमिशन लिया। कुछ और ट्रांसजेंडर्स ने भी आवेदन किया है, जिनकी प्रवेश प्रक्रिया जल्द पूरी कर ली जाएगी। आवेदन 31 जुलाई तक लिए जा रहे हैं। रीजनल डायरेक्टर डॉ. मनोरमा सिंह ने बताया कि इस प्रोग्राम के तहत अन्य जिलों में भी अवेयरनेस प्रोग्राम चल रहे हैं और अगर ट्रांसजेंडर्स के आवेदनों की संख्या अच्छी रही तो रीजनल सेंटर में ही अलग से क्लास भी शुरू होंगे।

18 साल पहले छोड़ी थी पढ़ाई

इग्नू के लखनऊ रीजनल सेंटर में प्रवेश लेने के बाद सुधा ने बताया कि उन्होंने 18 साल पहले बिहार बोर्ड से इंटरमीडिएट किया था लेकिन सामाजिक परिस्थितियों के चलते आगे की पढ़ाई छोड़नी पड़ी। इसके बाद उन्होंने लखनऊ में रोजी-रोटी की तलाश शुरू कर दी। सुधा ने इग्नू में बैचलर्स प्रिपरेटरी प्रोग्राम (बीपीपी) में एडमिशन लिया है। यह छह महीने का ब्रिज कोर्स है जिसे करने के बाद सुधा को इग्नू में ही स्नातक में दाखिला मिल जाएगा।

पढ़ना किसे अच्छा नहीं लगता, मौका तो मिले

सुधा के जैसे ही यहां आवेदन करने के लिए उनके साथ आए अन्य ट्रांसजेंडर्स ने बताया कि वह पढ़ना चाहते हैं और अपने जीवन स्तर को बेहतर करना चाहते हैं लेकिन समाज ही उनसे इसका मौका छीन लेता है। मजबूरन उन्हें अपने पारम्परिक पेशे में जाना पड़ता है। इन लोगों ने कहा कि जिस तरह से इग्नू ट्रांसजेंडर्स को पढ़ने का मौका दे रहा है अगर उसी तरह सरकार अन्य कॉलेजों में भी उनके लिए व्यवस्था कर दे तो उनका समुदाय भी मुख्यधारा से जुड़ सकेगा।

लोकमत

इग्नू को मिला ट्रान्सजेण्डर समुदाय का पहला विद्यार्थी

लखनऊ | लोकमत न्यूज

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय ने शिक्षा के सर्वभौमिकरण एवं लोकतांत्रिकरण को बढ़ावा देने हेतु जुलाई 2017 सत्र से ट्रांसजेन्डर समुदाय के व्यक्तियों को निःशुल्क शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया है, जिसका लाभ लेते हुए किन्नर समुदाय की सुधा किन्नर ने इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ में स्नातक उपाधि प्रारम्भिक कार्यक्रम में अपना नामांकन कराया। यह नामांकन उन्होंने इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ द्वारा महाराजा बिजलीपासी राजकीय महाविद्यालय में आयोजित जागरुकता शिविर में कराया। इस शिविर में किन्नर समुदाय के बहुत सारे लोगों ने भाग लिया।

सुधा किन्नर ने बताया कि इग्नू द्वारा किन्नर समाज को शिक्षा के माध्यम से मुख्य धारा में जोड़ने का जो प्रयास किया गया है वह सराहनीय है। इस पहल द्वारा किन्नरों के सामाजिक जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आयेगा जो उन्हें सशक्त बनायेगा। डॉ0 मनोरमा सिंह, क्षेत्रीय निदेशक, इग्नू ने बताया कि इग्नू अभी तक बन्दियों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान कर रहा था, अब यही सुविधा जुलाई 2017 सत्र से ट्रांसजेन्डर समुदाय के विद्यार्थियों को भी प्रदान की जायेगी। क्षेत्रीय केन्द्र का यह प्रयास रहेगा कि जन-जागरण द्वारा इस समुदाय के व्यक्तियों को इग्नू द्वारा दी जा रही मुफ्त शिक्षा के विषय में अवगत कराया जायेगा, जैसे कि वे विश्वविद्यालय द्वारा दी जा रही इन सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ उठा सकें। विश्वविद्यालय का यह प्रयास रहेगा कि किंन्नर समुदाय के लोगों को उनके द्वार पर शिक्षा उपलब्ध करायी जाए।

डॉ कीर्ति विक्रम सिंह, सहायक क्षेत्रीय निदेशक ने बताया कि इग्नू देश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय बन गया है जिसने किन्नर समुदाय को मुफ्त शिक्षा प्रदान करने की पहल की है। पढ़ाई के इच्छुक किन्नरों को दाखिले के लिए केन्द्र सरकार या राज्य सरकार या मेडिकल अधिकारी, सक्षम अधिकारी की तरफ से जारी सर्टिफिकेट और आधार कार्ड लगाना अनिवार्य होगा। वे विश्वविद्यालय द्वारा संचालित किसी भी कार्यक्रम में निःशुल्क नामांकन करा सकते हैं। ऐसे अभ्यर्थी जिन्होंने दसवीं या बारहवीं तक की शिक्षा नहीं प्राप्त की है और उच्च शिक्षा से जुड़ना चाहते हैं, वे इग्नू से बी. पी. पी. में प्रवेश लेकर स्नातक तक की शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं।

डॉ अनामिका सिन्हा सहायक क्षेत्रीय निदेशक ने बताया कि इग्नू में नामांकन कराने कि अन्तिम तिथि 31 जुलाई 2017 है। इसके विषय में अधिक जानकारी इग्नू की वेबसाइट-ूणपहदवनण्बणपद से प्राप्त की जा सकती है। इस अवसर पर डॉ मो तारिक, प्राचार्य, डॉ बलराम सिंह, समन्वयक, इग्नू एवं अन्य शिक्षकगण मौजूद थे।

18072017_02.qxd 7/17/2017 10:49 PM Page 1

आजाद आइना

लखनऊ, मंगलवार, 18 जुलाई 2017

इग्नू को मिला अपना पहला ट्रान्सजेण्डर छात्र

एएनएन

लखनऊ। इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने जुलाई 2017 सत्र से ट्रांसजेन्डर समुदाय के लोगों को निःशुल्क शिक्षा देने का निर्णय लिया है। जिसका लाभ लेते हुए किन्नर समुदाय की सुधा किन्नर ने इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ में स्नातक उपाधि प्रारम्भिक कार्यक्रम (बीपीपी) में अपना नामांकन कराया। यह नामांकन उन्होंने इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ द्वारा महाराजा बिजलीपासी राजकीय महाविद्यालय में आयोजित जागरुकता शिविर में कराया। इस शिविर में किन्नर समुदाय के बहुत सारे लोगों ने भाग लिया।

सुधा किन्नर ने बताया कि इग्नू द्वारा किन्नर समाज को शिक्षा के माध्यम से मुख्य धारा में जोड़ने का जो प्रयास किया गया है वह सराहनीय है। इस पहल द्वारा किन्नरों के सामाजिक जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आयेगा जो उन्हें सशक्त बनायेगा।

डॉ. मनोरमा सिंह, क्षेत्रीय निदेशक, इग्नू ने बताया कि इग्नू अभी तक बन्दियों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान कर रहा था, अब यही सुविधा जुलाई 2017 सत्र से ट्रांसजेन्डर समुदाय के विद्यार्थियों को भी प्रदान की जायेगी।

क्षेत्रीय केन्द्र का यह प्रयास रहेगा कि जन-जागरण द्वारा इस समुदाय के व्यक्तियों को इग्नू द्वारा दी जा रही मुफ्त शिक्षा के विषय में अवगत कराया जायेगा, ताकि वे विश्वविद्यालय द्वारा दी जा रही इन सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ उठा सकें। विश्वविद्यालय का यह प्रयास रहेगा कि किन्नर समुदाय के लोगों को उनके द्वार पर शिक्षा उपलब्ध करायी जाए।

डॉ. अनामिका सिन्हा सहायक क्षेत्रीय निदेशक ने बताया कि इग्नू में नामांकन कराने कि अन्तिम तिथि 31 जुलाई है। इसके विषय में अधिक जानकारी इग्नू की वेबसाइट- www.ignou.ac.in से प्राप्त की जा सकती है।